

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षकों की विभागीय परीक्षा

DEPARTMENTAL EXAMINATION OF INSPECTORS OF CENTRAL EXCISE

प्रश्न पत्र – पंचम (PAPER – V)

हिन्दी (Hindi)

दिनांक: 19.06.2014 (DATE: 19.06.2014)

समय: 10.00 पू० से 12.00 दोपहर (TIME: 10.00 A.M. to 12.00 Noon)

पूर्णांक : 75 (MAXIMUM MARKS : 75)

उत्तीर्णांक : 37 (PASS MARKS : 37)

प्रश्न 1 (अ) अधोलिखित पैरा का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

(10)

एक कहावत है— “स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क रहता है” अच्छा स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता साथ-साथ चलती है। खेल मनुष्य का स्वस्थ एवं प्रसन्न रखते हैं। ये हमें सावधान एवं सक्रिय बनाते हैं। खेल खेलना एक अच्छा एवं लाभदायक समय गुजारने का साधन है। वे हमारे दिमाग को ताजगी और कार्य के लिए शक्ति प्रदान करते हैं।

शिक्षा हमें समाज में रहना एवं उचित व्यवहार करना सिखाती है। खेल, समाज में लाभदायक व्यक्ति कैसे बने, सिखाता है। खेल शिक्षा का आवश्यक अंग है।

खेल हममें अनेक अच्छी बातों का विकास करते हैं। हमें खेल के नियमों का पालन करना पड़ता है। ये आज्ञा एवं अनुशासन की भावना विकसित करते हैं। हम जीवन में भी उचित कार्यों को पसन्द करने लगते हैं। ये दो नैतिक गुणों का विकास करते हैं— ईमानदारी एवं न्याय। खिलाड़ी छोटी-छोटी बातों से हतोत्साहित नहीं होता, किन्तु वह सफलता के लिए अधिक सावधानी एवं शक्ति से प्रयास करता है इसको ‘खेल भावना’ कहते हैं।

(ब) अधोलिखित पैरा का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

(10)

Time is very precious. We should not waste time. Time once lost is lost forever. If you waste your time, time will waste you.

Money spent can be earned again, it is not so with time. Time once spent is spent and gone. It can never be got back. Almost everything in the world can be purchased, but time lost can not be purchased. As each second ticks away, that second moves from present to the past. If you have not properly used that single second when it was in the present, it is a second wasted and it is already lost and became the past. No amount of crying or trying can bring you back the past.

If you want success in life, make proper use of time. Mind the present and make full use of it.

प्रश्न 2. निम्न गंधाश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(15)

मनुष्य और समाज, शरीर और उसके अंगों के सदृश हैं। दोनों परस्पर पूरक हैं। मनुष्य की समाज के प्रति एक नैतिक जिम्मेदारी होती है जिसके बिना समाज सुव्यवस्थित नहीं रह सकता। व्यक्ति का स्वार्थमय जीवन भी समाज के लिए अत्यंत दुःखदायी है। स्वार्थी और संकुचित व्यक्ति समाज का शोषण एवं अहित करते हैं। ऐसे लोग अविश्वसनीय, संदेहास्पद, झगड़ालू प्रकृति के होते हैं।

सुखी संपन्न समाज तभी निर्मित हो सकता है जब मनुष्य व्यक्तिवादी विचारधारा छोड़कर समष्टिवादी बने। इसी में समाज का कल्याण और मानव का हित है। समाज में पारस्परिक सहानुभूति,

प्रेम भावना, उदारता सेवा और संगठन की भावनाएं अत्यंत आवश्यक हैं। इन्हीं से समाज का विकास और समृद्धि संभव है, समाज में व्यक्ति का सबसे बड़ा दायित्व है “परमार्थ”। समाज के जरूरत मंद और निराश्रित व्यक्तियों की सेवा सुश्रुषा करना एक महान कर्तव्य और दायित्व होना चाहिए।

उपयुक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

- (1) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
- (2) लेखक ने मनुष्य और समाज की तुलना किससे की है।
- (3) लेखक के अनुसार, कैसा व्यक्ति समाज के लिए दुःखदायी होता है।
- (4) गद्यांश में समष्टिवादी का क्या तात्पर्य है।
- (5) समाज में परमार्थ करने के लिए क्या करना चाहिए।

प्रश्न (3) (क) निम्नलिखित वाक्यों को सही करे एवं यथा आवश्यक पूरा करे। (10)

- (1) पुस्तक पढ़ा जरूर, लेकिन समझ न सका।
- (2) एक पानी का गिलास दीजिए।
- (3) सच में क्या तुम्हें प्रथम स्थान मिला है।
- (4) कृपया पत्र लिखने का अनुग्रह करें।
- (5) उस समय चरखा कातना एक अनुशासन था।

प्रश्न (3) (ख) निम्न का हिन्दी अनुवाद कीजिए:- (10)

- | | | |
|------------------------|----------------------|-------------------------|
| (1) Beg to state | (2) Dealing with | (3) Disorderly behavior |
| (4) Government affairs | (5) Probation Period | |

प्रश्न (4) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (10)

1. सरकारी समारोहों के लिए निमंत्रण पत्र इत्यादि किस भाषा में जारी करना अनिवार्य है।
2. राजभाषा अधिनियम 1963 को धारा 6 एवं 7 किस राज्य में लागू नहीं होते।
3. राजभाषा नियम 1976 के अन्तर्गत ‘कर्मचारी’ को परिभाषित कीजिए।
4. किस परिस्थिति में किसी केंद्रीय सरकार के कार्यालय को नियम 10(4) के अन्तर्गत अधिसूचित किया जाता है।
5. हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में देना किस नियम के अन्तर्गत अनिवार्य है।

प्रश्न (5) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (10)

1. नराकास की वर्ष में कितनी बैठकें आयोजित की जाती हैं।
2. राजभाषा की दृष्टि से पूरे देश को किन-किन भागों में विभाजित किया गया है।
3. हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाड़ा कब आयोजित किया जाता है।
4. कार्यालय सहायिका के प्रकाशक का नाम लिखिए।
5. राजभाषा नियम के अन्तर्गत क्षेत्र ‘ग’ के अन्तर्गत कौन-कौन से राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र आते हैं।
